सेम VI पेपर VII 2019-2020

प्रश्न : वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. शब्द एवं अर्थ के सम्बन्ध में विचार करने वाले तत्व को क्या कहते हैं ?
   क. अर्थ शक्ति ख. शब्द शक्ति ग. शब्दार्थ घ. वचन शक्ति

2. शब्द तथा वाक्य की सार्थकता किसमें में हैं ?
   क. अर्थ ख.शब्द ग. वाक्य घ. शब्दार्थ

3. "जो सुन परै सो शब्द है, समुझि परै सो अर्थ" किसकी पंक्तियाँ है ?
   क. आचार्य चिंतामणि ख. भरतमुनि ग. आचार्य भामह घ. आचार्य दण्डी

4. शब्द शक्ति के कितने भेद है ?
   क. तीन ख.चार ग.पाँच घ. सात

5. साहित्य दर्पण किसका ग्रंथ है ?
   क. भरतमुनि ख. आचार्य विश्वनाथ ग.आचार्य भामह घ. आचार्य चिंतामणि

6. “अभिधेय अर्थ का बोध अभिधा शक्ति है अर्थात मुख्य शब्द व्यापार के मुख्य अर्थ का बोध।” किसकी परिभाषा है ?
   क. काव्य प्रकाश ख.पंडितराज जगन्नाथ ग.मुकुल भट्ट घ. कुमारिल भट्ट

7. "अभिधा उत्तम काव्य है ,मध्य लक्षणा हीन।अधम व्यंजना रस विरस कहत प्रविन॥" किसकी पंक्तियाँ है ?
   क. कवि देव ख. भागीरथ मिश्र ग.आचार्य दण्डी घ. आचार्य शुक्ल

8. इसमें से कौन सा अभिधा शब्द शक्ति के भेद नहीं है ?
   क. रूढ़ शब्द ख. शब्दार्थ ग. यौगिक शब्द घ. योग रूढ़ शब्द

9. "मुख्य अर्थ के बाध में शब्द लाक्षणिक होत।"किस शक्ति की परिभाषा है ?
   क. अभिधा ख. लक्षणा ग. व्यंजना घ. तत्पर्या

10. लक्षणा शब्द शक्ति के कितने भेद है ?
    क. पाँच ख. छः ग. सात घ. आठ

11. इसमें कौन सा व्यंजना शब्द शक्ति नहीं है ?
    क. ध्वन्यार्थ ख. सूच्यार्थ ग. आ पदार्थ घ. प्रतीयमानार्थ

12. व्यंजना शब्द शक्ति के कितने भेद है ?
    क. दो ख. तीन ग. चार घ. पाँच

13. “विभावानुभावव्यभिचारि संयोगाद्रस निष्पत्ति ॥” रस सूत्र किसका है ?

    क. भरतमुनि ख.महर्षि पतंजलि ग. महर्षि यास्क घ. आचार्य भामह

14. “सत्वोद्रेक रस का हेतु है। किसने कहा है ?
क. आचार्य जगन्नाथ ख. आचार्य विश्व नाथ ग. आचार्य धनंजय घ. बिहारीलाल

15. “रस न ज्ञाप्य न कार्य और ज्ञाप्य और कार्य ज्ञाप्य भी हो सकता है।न साक्षात अनुभव है न परोक्ष, न निर्विकल्पक ज्ञान है न सविकल्पिक।” यह किसका मत है ?
क. आचार्य मम्मट ख.महर्षि पतंजलि ग. महर्षि यास्क घ. आचार्य भामह

16. भाव कितने प्रकार के होते है ?
क. तीन ख. चार ग. पाँच घ. आठ

17. आचार्यों ने स्थायी भावों की संख्या कितनी मानी है ?
क. 7 ख. 9 ग. 11 घ. 13

18. “विकारोंमनसो भावः” सूत्र किस ग्रंथ से लिया गया है ?
क. नाट्यशास्त्र ख. अमरकोश ग. चिंतामणि घ. साहित्य दर्पण

19. प्रवृत्ति के आधार पर विभाव के कितने भेद किए गये है ?
क. दो ख. तीन ग. चार घ. पाँच

20. उद्दीपन विभाव के कितने प्रकार माने गये ?
क. दो ख. तीन ग. पाँच घ. सात

21. भरतमुनि अनुभाव कितने प्रकार का मानते है ?
क. तीन ख. चार ग. सात घ. आठ

22. आचार्यों ने सुविधा की दृष्टि से कितने संचारी भाव बताए है ?
क. 30 ख. 33 ग. 42 घ. 56

23. श्रृंगार रस का स्थायी भाव क्या है ?
क. हास ख. रति ग. विस्मय घ. जुगुप्सा

24. श्रृंगार रस के कितने भेद है ?
क. दो ख. तीन ग. चार घ. पाँच

25. वीर रस का स्थायी भाव क्या है ?
क. रति ख. उत्साह ग. शोक घ. क्रोध

26. आचार्यों के अनुसार रसों की संख्या कितनी है ?
क. सात ख. आठ ग. नौ घ. तेरह

27. भाव सहृदय के हृदय में किस रूप में सदा विद्यमान रहता है ?
क. वासना ख. कामना ग. भावना घ. आराधना

28. आचार्यों ने स्थायी भावों की संख्या कितनी मानी है ?
क. चार ख. सात ग. आठ घ. नौ

29. विभाव रस की उत्पत्ति का क्या है ?
क. कारण भूत ख. चारण भूत ग. निवारण घ. वातावरण

30. जिस पात्र के प्रति किसी के भाव जाग्रत होते है,उसे क्या कहा जाता है ?
क. आलम्बन ख. उद्दीपन ग. साधारणीकरण घ. मनहरण

31. शान्त रस का स्थायी भाव क्या है ?
क. निर्वेद ख. संवेद ग. संवेदना घ. शोक

32. 'नाटक' शब्द की व्युत्पत्ति किस धातु से हुई है ?
क. नट ख. भट ग. रत घ. संगत

33. अवस्था के अनुकरण को क्या कहते हैं ?
क. नाटक ख. उपन्यास ग. कहानी घ. संस्मरण

34. प्राचीन भारतीय आचार्यों ने नाटक के प्रमुख कितने तत्व माने हैं
क. तीन ख. चार ग. पाँच घ. आठ

35. पाश्चात्य विद्वानों ने नाटक के तत्वों की संख्या कितनी बताई है ?
क. चार ख. छः ग. सात घ. बारह

36. नाटक में जो कथा मुख्य कथा के साथ साथ अंत तक चलती है,उसे क्या कहते है ?
क. शीर्षक ख. कहानी ग. उद्देश्य घ. पताका

37. नाटक में जो कथा कहीं भी समाप्त हो सकती है,उसे क्या कहते है ?

क. प्रकरी ख. पताका ग. फरहरा घ. उद्देश्य

38. संस्कृत नाट्य शास्त्र में नायक के कितने प्रकारों का उल्लेख है |
क. चार ख. पाँच ग. सात घ. आठ

39. नाटक में जो नायक कला और सौंदर्य प्रेमी,ललित गुणों से युक्त हो,उसे किस तरह का नायक कहते है ?
क. धीर ललित ख. धीरोदात्त ग. धीर प्रशांत घ. धीरोद्धत

40. नाटक में किसी निश्चित पात्र के साथ ही वार्तालाप किया जाता है,उसे क्या कहते है ?
क. नियत श्राव्य ख. सर्वश्राव्य ग. अश्राव्य घ. आश्रम

41. "मैं उपन्यास को मानव-जीवन का चित्र समझता हूं।मानव-चरित्र पर प्रकाश डालना और उसके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मुख्य स्वर है।"किसने कहा है ?

क.मुंशी प्रेमचंद ख. आचार्य शुक्ल ग. आचार्य हजारीप्रसाद घ. डॉ.नगेंद्र

42. विद्वानों ने उपन्यास के कितने तत्व माने है ?

क. छः ख. सात ग. आठ घ. दस

44. "उपन्यास जीवन का विशाल दर्पण है और इसका विस्तार साहित्य के किसी भी रूप से बड़ा है।" किसने कहा है ?

क. डॉ. जे.बी. क्रिस्टले ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

45. "मानव और मानवीय भावों से तथा क्रियाओं की विस्तृत चित्रावलि ने नर एवं नारियों की सार्वकालिक, सार्वदेशिक रुचि ही उपन्यास के अस्तित्व का कारण है।" किसका मत है ?

क. मुंशी प्रेमचंद ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

46. उपन्यास में दो या दो से अधिक पात्रों का परस्पर वार्तालाप को क्या कहते है ?

क.कथोपकथन ख. कथावस्तु ग. चरित्र चित्रण घ. उद्देश्य

47. "उपन्यास में युगीन समस्याओं का चित्रण करना ही मूल उद्देश्य होना चाहिए। जिससे मनुष्य की मौलिक प्रवृत्तियों का संघर्ष निभता दिखाई पड़ता है।" किसका कथन है ?

क. मुंशी प्रेमचंद ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

48. "उपन्यास का गठन लेखक तैयार नहीं करता, स्वयं उसकी दृष्टि उसे निर्धारित करती है, जैसे नदी पहले अपना पाट तैयार करके नहीं बहती, स्वयं बहने के दौरान उसका पाट बनता जाता है।" किसका कथन है ?

क.मुंशी प्रेमचंद ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. निर्मल वर्मा

49. " लघु कथा में केवल एक ही मूल भाव रहता है ।" किसका कथन है ?

क. मुंशी प्रेमचंद ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

50. "कहानी को आकर में अधिक से अधिक इतना बड़ा होना चाहिए की वो सरलता से बीस मिनट में पढ़ी जा सके । "किसने कहा है ?

क. मुंशी प्रेमचंद ख. वेल्स ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

51. "कहानी वह गद्य कथा है जो आधे घंटे से लेकर दो घंटे में समाप्त जो जाती है ।" किसने कहा है ?

क. एड्गलन एलेर पो ख. वेल्स ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

52. "कहानी घुड़दौड़ के सामान है जिसमें प्रारम्भ और अंत का विशेष महत्व होता है,किसने कहा है ?

क. एलेरी ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

53. " अंत में स्वतंत्र साहित्य विधा के रूप में कहानी का वर्णन करते हुए उसमे अधिक और क्या कहा जा सकता है कि वह संक्षिप्त , अत्यधिक संगृहीत तथा पूर्ण कथा रूप है " किसके मत है ?

क. एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

54. "A short story is like horse race. It is start and finishes which count most.किसने कहा है ?

क. एलेरी ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

55. "कहानी कहानी होनी चाहिए अर्थात इसमें घटित होने वाली वस्तुओं का ऐसा लेखा जोखा होना चाहिए जो घटना और आकस्मिकता से परिपूर्ण हो । उसमे क्षिप्र गति का अप्रत्यशित विकास हो जो कौतुहल के द्वारा सार और संतोष को पूर्ण अवस्था तक ले जाये ।" कहानी के संदर्भ में किसका कथन है ?

क. सर हल वालपोल ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

56. “कहानी (गल्प) एक रचना है,जिसमें जीवन के किसी एक अंग या किसी एक मनोभाव को प्रदर्शित करना लेखक उद्देश्य रहता है।चरित्र,शैली,कथा-विन्यास सब भाव को पुष्ट करते है ।” किसका मत है ?

क. मुंशी प्रेमचंद ख. वेल्स ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

57. “सौंदर्य की झलक का चित्रण करना और उसके द्वारा रस की सृष्टि करना ही कहानी का उद्देश्य है ” किसका मत है ?

क. एलेरी ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

58. “कहानी मनोरंजन के साथ-साथ किसी न किसी सत्य का उद्‌घाटन करती है तथा आख्यायिका में सौंदर्य की झलक का रस है ।” किसका मत है ?

क. रायकृष्ण दास ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

59. “आख्यायिका निश्चित लक्ष्य या प्रभाव को लेकर नाटकीय आख्यान है।”किसका मत है ?

क. श्यामसुंदर दास ख. वेल्स ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

60. “कहानी जीवन की प्रतिच्छाया है और जीवन स्वयं अधूरी कहानी, एक शिक्षा,जो उम्र भर मिलती है और समाप्त।” किसका मत है ?

क. अज्ञेय ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

61. “घटनात्मक इकहरे चित्रण का नाम कहानी है।साहित्य के सभी अंगों के समान रस इसका आवश्यक गुण है ।” किसने परिभाषित किया है ?

क. चन्द्रगुप्त विद्यालंकार ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

62. "छोटी कहानी स्वतः स्फूर्त रचना है ,जिसमें एक तथ्य या प्रभाव को अग्रसर करने वाली केन्द्रत घटना या घटनाओं के आवश्यक उत्थान ,पतन मोड़ के साथ पत्रों चरित्र पर प्रकाश डालने वाला वर्णन हो।" किसने परिभाषित किया है ?
क. मुंशी प्रेमचंद ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

63. कहानी के प्रमुख कितने तत्व है ?
क. पाँच ख. छः ग. आठ घ. दस

64. कहानी की कथावस्तु कितने भागों में विभक्त रहती है ?
क. तीन ख. चार ग. पाँच घ. सात

65. "बिल्कुल आधुनिक कहानी में घटनाचक्र का महत्व घटता जा रहा है । घटनाएँ भाव और विचारों का आश्रय देने के लिए अगला (अरगनी) का सा काम देती है और कहीं-कहीं वे एक बिंदु की खूंटी मात्र रह जाती है। " कहानी की कथावस्तु के संदर्भ में किसका मत है ?
क. गुलाबराय ख. रामदरश मिश्र ग. जयशंकर प्रसाद घ. विलियम हेनरी हेडसन

66. जब कोई व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं का विवरण स्वयं लिखता है तो उसे क्या कहते हैं।
क. आत्मकथा ख. डायरी ग. रेखाचित्र घ. रिपोर्ताज

67. साहित्य की किस विधा में लेखक वर्णनात्मक शैली में अपने जीवन का क्रमिक ब्यौरा प्रस्तुत करता है
क. आत्मकथा ख. डायरी ग. कहानी घ. उपन्यास

68. बाबू श्यामसुन्दरदास की लिखी आत्मकथा एक प्रकार से किस संस्था किसका इतिहास है।
क. नागरी प्रचारिणी सभा बनारस ख. हिन्दुस्तानी प्रचार सभा ग. हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग घ. साहित्य अकादमी दिल्ली

69. 'मेरी जीवन यात्रा में' किसकी आत्मकथा है?
क. राहुल सांकृत्यायन ख. बाबू श्यामसुन्दरदास ग. मुंशी प्रेमचंद घ. बिहारीलाल

70. आत्मकथा किसकी कलात्मक अनुकृति है।
क. जीवनी ख. संस्मरण ग. डायरी घ. रिपोर्ताज

71. आत्मकथा के मुख्य कितने तत्व है ?
क. पाँच ख. छः ग. आठ घ. दस

72. आत्मकथा में किस शैली का प्रयोग किया जाता है ?
क. आत्मकथात्मक ख. विवेचनात्मक ग.विवरणात्मक घ. समीक्षात्मक

73. आत्मकथा किसके जीवन का वैयक्तिक आलेख है ?
क. लेखक ख. पाठक ग. लेखक एवं पाठक दोनों घ. कोई नहीं

74. 'कुछ आपबीती कुछ जगबीती' किसकी आत्मकथा है?
क. डॉ. जे.बी. क्रिस्टले ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

75. 'मेरा जीवन प्रवाह' किसकी आत्मकथा है?
क. वियोगी हरी ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

76. 'सत्य के प्रयोग' किसकी आत्मकथा है?
क. महात्मा गांधी ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

77. किसी व्यक्ति विशेष के जीवन पर साहित्यिक शैली में कोई दूसरा व्यक्ति लिखता है उसे क्या कहते हैं।
क. जीवनी ख. डायरी ग. रिपोर्ताज घ. रेखाचित्र

78. जीवनी अंग्रेजी के किस शब्द का समानार्थक है
क. बायोग्राफी ख. ज्योग्राफी ग. फिलोलाजी घ. फिलासफी

79. "जीवनी किसी व्यक्ति की जीवन-घटनाओं का विवरण है। अपने आदर्श रुप में प्रयत्नपूर्वक लिखा गया इतिहास है, जिसमें व्यक्ति-विशेष के संपूर्ण जीवन या उसके किसी अंश से सम्बंधित बातों का विवरण मिलाता है।" किसका मत है ?
क. महात्मा गांधी ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. शिप्ले

80. "जब कोई लेखक वीर-पूजा की भावना से प्रेरित होकर, किसी महान व्यक्ति की चाहे वह किसी भी क्षेत्र से सम्बंधित हो, जीवन-कथा लिखे तो वह जीवनी है।" किसका मत है ?
क. बाबू श्यामसुंदर दास ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

81. "जीवनी घटनाओं का अंकन नहीं बल्कि चित्रण है। वह साहित्य की विधा है और उसमें साहित्य और काव्य के सभी गुण अपेक्षित हैं। वह एक मनुष्य के अन्दर और बाह्य स्वरुप का कलात्मक निरूपण है।" किसका मत है ?
क. बाबू श्यामसुंदर दास ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

82. जीवनी में जीवनीकार किस तरह घटनाओं का उल्लेख करता है ?
क.वास्तविक जीवन ख.काल्पनिक ग. वास्तविक और काल्पनिक घ. इनमें सी कोई नहीं

83. "भावुक कलाकार जब अतीत की अनंत स्मृतियों में से कुछ स्मरणीय अनुभूतियों को अपनी कोमल कल्पना से अनुरंजित करके रोचक ढंग से यथार्थ रूप में व्यक्त करता है तब उसे संस्मरण कहते हैं। किसका कथन है ?

बाबू श्यामसुंदर दास ख. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

84. "स्मृत व्यक्ति के बाह्य रुपरेखा की प्रस्तुति, चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन, आत्मानुभूति, भावुकता, रोचकता, कल्पनाशीलता, परिवेश-चित्रण तथा भाषागत सौंदर्य एवं शैली सौंदर्य स्मरण की प्रमुख विशेषताएं हैं।" किसका मत है ?

क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

85. 'पथ के साथी',संस्मरण किसने लिखा है

क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदग

86. 'मेरा परिवार', संस्मरण किसने लिखा है ?

क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदगल

87. श्रृंखला की कड़ियाँ किसकी रचना है ?

क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदगल

88. "चित्रकार अपने सामने रखी वस्तु या व्यक्ति या रंगीन चित्र जब कुछ रेखाओं के इस प्रकार आंक देता है कि उसकी मुद्रा पहचानी जा सके तब उसे हम रेखाचित्र की संज्ञा देते है। साहित्य में भी साहित्यकार कुछ शब्दों में ऐसा चित्र अंकित कर देता है जो उस व्यक्ति या वस्तु का परिचय दे सके,परन्तु दोनों में अन्तर होता है।" किसका मत है ?

क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदगल

89. "रेखाचित्र किसी एक व्यक्ति, स्थान, घटना, दृश्य, या उपादान का ऐसा वस्तुगत वर्णन होता है, जो संक्षेप में उसकी बाह्य विशेषताओं को प्रस्तुत करता है।बाह्य विशेषताओं के भीतर ही उसकी आंतरिक विशेषताओं का समाहार होता है।" किसका मत है ?

क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. गुलाबराय ग. जयशंकर प्रसाद घ. डॉ. हरबंश लाल

90. "रेखाचित्र ऐसी रचना के लिए प्रयुक्त होने लगा जिसमें रेखाएँ हों, पर मूर्त रूप अर्थात् उतार-चढ़ाव दूसरे शब्दों में, कथानक का उतार-चढ़ाव आदि न हो,तथ्य का उद्घाटन मात्र हो।" किसका मत है ?

क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. डॉ.नागेन्द्र ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

91. "संपर्क में आये किसी विलक्षण व्यक्ति अथवा संवेदनाओं को जगानेवाली सामान्य विशेषताओं से युक्त किसी प्रतिनिधि चरित्र के मर्मस्पर्शी स्वरुप को, देखी-सुनी या संकलित घटनाओं की पृष्ठभूमि में इस प्रकार उभारकर रखना कि उसका हमारे हृदय पर एक निश्चित प्रभाव अंकित हो जाए रेखाचित्र या शब्दचित्र कहलाता है।"

क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. डॉ.नागेन्द्र ग. जयशंकर प्रसाद घ. डॉ.भगीरथ मिश्र

92. "रेखाचित्र चित्रकला और साहित्य के सुन्दर सुहाग से उद्भूत एक अभिनव कला रूप है। रेखाचित्रकार साहित्यकार के साथ ही साथ चित्रकार भी होता है। रेखाचित्रकार मनः पटल पर विश्रृंखल रूप में बिखरी हुई शत्-शत् स्मृति रेखाओं में अपनी अंकित कला की तूलिका

से सहानुभूति के रंग में रंजित कर जीते जागते शब्द चित्र में परिणित कर देता है।"
किसका कथन है ?
क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. डॉ.नागेन्द्र ग. जयशंकर प्रसाद घ. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत

93. "मैं शब्दों की रेखाओं से अपने अनुभव के चित्र उतारने का प्रयास कर रहा था और निरंतर सोचता था कि मैं इन रेखाओं को तूलिका या पेंसिल से खींच सकता तो कितना अच्छा होता।" किसका कथन है ?
क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. डॉ.नागेन्द्र ग. जयशंकर प्रसाद घ. प्रकाशचन्द्र गुप्त

94. "रेखाचित्र किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना या भाव का कम से कम शब्दों में मर्मस्पर्शी भावपूर्ण एवं सजीव अंकन है। किसका कथन है >
क. डॉ.गोविंद त्रिगुणायत ख. डॉ.नागेन्द्र ग. हिंदी साहित्य कोष घ. प्रकाशचन्द्र गुप्त

95. "इन चित्रों में मेरा जीवन भी आ गया है। यह स्वाभविक भी था।" किसका कथन है ?
क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदगल

96. 'अतीत के चलचित्र' रेखाचित्र किसने लिखा है?
क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदगल

97. 'स्मृति की रेखाएं' रेखाचित्र किसने लिखा है?
क. महादेवी वर्मा ख. सुभद्राकुमारी चौहान ग.मृदुला गर्ग घ. चित्रा मुदगल

98. 'लालतारा', रेखाचित्र किसने लिखा है?
बाबू श्यामसुंदर दास ख. रामवृक्ष बेनीपुरी ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

99. 'माटी की मूरतें', रेखाचित्र किसने लिखा है?
बाबू श्यामसुंदर दास ख. रामवृक्ष बेनीपुरी ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

100. 'गेहूँ और गुलाब', रेखाचित्र किसने लिखा है?
बाबू श्यामसुंदर दास ख. रामवृक्ष बेनीपुरी ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

101. 'मील के पत्थर',रेखाचित्र किसने लिखा है?
बाबू श्यामसुंदर दास ख. रामवृक्ष बेनीपुरी ग. जयशंकर प्रसाद घ. भारतेंदु हरिश्चन्द्र

यशपाल के अनुसार – *"रेखाचित्र कहानी की कला से प्रेरणा पाकर उत्पन्न हुई कला की नव विकसित स्वतंत्र शाखा है।"*

बाबू गुलाब राय ने दोनों विधाओं की तुलना करते हुए लिखा है कि – *"जहाँ रेखाचित्र वर्णनात्मक अधिक होते हैं, वहां संस्मरण विवरणात्मक अधिक होते हैं।"*

रेखाचित्र अपेक्षित, अपरिचित साधारण व्यक्ति के असाधारण व्यक्तित्व पर आधारित होते हैं,